**17 जुलाई, 2022 को आयोजित होने वाले वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा के वैश्विक सम्मेलन के दौरान माननीय अध्यक्ष का भाषण**

---

आज हैदराबाद में आयोजित किए जा रहे वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा के ऐतिहासिक वैश्विक सम्मेलन में विश्व भर से आए मेरे मित्रों के बीच आकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

मैं यह जानता हूँ किन केवल भारत, बल्कि विश्व भर के कई अन्य देशों से सदस्यों को आमंत्रित करना कोई सामान्य बात नहीं है। यह देखकर काफी खुशी होती है कि हमारे देश के 20 राज्यों और विश्व के 35 अन्य देशों के लोग इस प्रतिष्ठित संगठन के सदस्य हैं।

मैं स्व. रोसैया गारूजी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने 20 वर्ष पूर्व इतने बड़े संगठन की स्थापना के स्वप्न को साकार किया जिसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान और भावी पीढ़ियों के लिए सभी संभावित अवसरों और सेवाओं तक पहुंच में सुधार करने के लिए सतत कार्यक्रम चलाना है।

मैं वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा के वर्तमान सभापति का दायित्व संभालने के लिए श्री टी.जी. वेंकटेशगारू जी को बधाई देता हूँ। मैं वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा की स्थापना से ही इसके वैश्विक अध्यक्ष की समग्र जिम्मेदारी संभालने के लिए श्री तंगुतुरी रामकृष्ण गारूजी को भीबधाई देता हूँ।

मित्रो, वैश्य एवं आर्य वैश्य अनंतकाल से सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जहां तक मानवता की सेवा का संबंध है, तो उन्होंने इसमें सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है।

व्यवसाय एवं औद्योगिक विकास के अपने मूल कार्यकलापों के साथ-साथ वे समाज सेवा, आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक विरासत एवं सभी जीवों के प्रति प्रेम, आदि जैसे क्षेत्रों में उदारतापूर्वक परमार्थ के कार्य करते रहे हैं।

यह एक प्रगतिशील समुदाय है और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित है। यह समुदाय निरंतर एवं सतत रूप से जाति एवं धर्मकी सीमाओं से ऊपर उठकर पीड़ितजनों की सेवा के लिए कई कल्याणकारी परियोजनाएं चला रहा है।

अपने कार्यकलापों के प्रत्येक क्षेत्र में उन्होंने नैतिकता, जवाबदेही, सच्चाई और अनुशासन के पथ का अनुसरण किया है। वैश्य समुदाय का आचरण सदैव अनुकरणीय मानदंडों से प्रेरित रहा है।

वैश्य समुदाय के लोग हमारे समाज के प्रत्येक क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपने विविध प्रकार के कार्यकलापों के माध्यम से असंख्य लोगों के लिए आजीविका के अवसर उपलब्ध करा रहे हैं । इस समुदाय के

अमूल्य योगदान की सराहना करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यह समुदाय हमारे राष्ट्र की प्रगति के लिए अथक प्रयास करता रहा है। मैं आशा करता हूँ कि वैश्य समुदाय अपने कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में नित नई उपलब्धियों के माध्यम से इसी प्रकार उन्नति करता रहेगा और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

मित्रो, यह वास्तव में उल्लेखनीय है कि वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा के लक्ष्य और उद्देश्य अत्यंत महान है। यह सभा विश्व के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले वैश्यों से संपर्क और समन्वय स्थापित करने के लिए एक साझे मंच की स्थापना करके विभिन्न कारकों एवं परिस्थितियों के कारण विश्व भर के वैश्यों के समक्ष आ रही कई समस्याओं का समाधान खोजना चाहती है।

यह सभा वैश्य समुदाय के विद्यार्थियों को शिक्षा हेतु उदार शर्तों पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने में प्रशंसनीय रूप से सहयोग करती रही है। यह सभा युवाओं को राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में शामिल होकर उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती रही है। इस सभा ने विश्व भर में रहने वाले वैश्य समुदाय के ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करने की पहल भी की है जिन्होंने किसी प्रकार की उपलब्धि हासिल की है। इस पहल का उद्देश्य समुदाय के अन्य लोगों में प्रेरणा का संचार करना है।

यह निश्चित रूप से अद्भुत बात है कि वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा अपनी कई शाखाओं, जैसे कि महिला, अप्रवासी भारतीय आदि के माध्यम से न केवल वैश्य समुदाय को एकजुट करती है बल्कि विभिन्न समस्याओं का समाधान भी उपलब्ध कराने पर ध्यान केंद्रित करती है।

यह सभा विभिन्न प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों, जैसे कि वैश्यों के विकास हेतु निगम तथा परमार्थ एवं सामुदायिक सेवाओं को बढ़ावा देकर वंचित वैश्यों के उत्थान हेतु अथक प्रयास करती रही है। इससे 'वैश्य हेतु वैश्य' का सिद्धांत प्रतिबिंबित होता है।

यदि सभी व्यक्ति अपने समुदाय के समग्र विकास हेतु कार्य करें तो हमारा देश सशक्त बनेगा और सभी समुदाय आगे बढ़ेंगे तथा अंततः हमारा देश भी आगे बढ़ेगा। हमारे मूल्य ऐसे होने चाहिए जो हमें संपूर्ण समाज को एकजुट करने की दिशा में कार्य करने की प्रेरणा दें। यदि हम एक नए भारत का निर्माण करना चाहते हैं तो हमें सामूहिक रूप से एक-दूसरे का सहयोग करना होगा।

मैं आशा करता हूँ कि सभी के सहयोग से वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा अपने सभी विचारों और सपनों को साकार करते हुए विश्व के सभी हिस्सों में रहने वाले वैश्यों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त कर सकेगी।

इन्हीं शब्दों के साथ, मैं एक बार फिर से श्री टी.जी. वेंकटेश गारू एवं श्री तंगुतुरी रामकृष्ण गारू को ऐसे भव्य समारोह का आयोजन करने के लिए बधाई देता हूँ और वर्ल्ड आर्य वैश्य महासभा के भावी प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद।